



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, शनिवार दिसम्बर 24, 1983 (पौष 3, 1905)  
NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 24, 1983 (PAUSA 3, 1905)

। भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड-1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग I—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) . . . . .
827	*
भाग I—खण्ड-2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश . . . . .
1751	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग III—खण्ड-1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .
—	22647
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियां आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .
1821	785
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .
*	227
भाग II—खण्ड-1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ . . . . .	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन, और नोटिस शामिल हैं . . . . .
*	3717
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट . . . . .	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस . . . . .
*	215
भाग II—खण्ड-3-उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं) . . . . .	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़े को बिखाने वाला अनुपूरक . . . . .
*	*
भाग II—खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	
*	

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

## CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I--SECTION 1--Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	827	PART II--SECTION 3--SUB-SEC. (iii)--Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	
PART I--SECTION 2--Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	1751	PART II--SECTION 4--Statutory Rules and Order issued by the Ministry of Defence ..	
PART I--SECTION 3--Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III--SECTION 1--Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India. ..	
PART I--SECTION 4--Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	1821	PART III--SECTION 2--Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	785
PART II--SECTION 1--Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III--SECTION 3--Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	227
PART II--SECTION 1-A--Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III--SECTION 4--Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	3717
PART II--SECTION 2--Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV--Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	215
PART II--SECTION 3--SUB-SEC. (i)--General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V--Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc, both in English and Hindi ..	*
PART II--SECTION 3--SUB-SEC. (ii)--Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

**भाग I—खण्ड 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई  
विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं**

**Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by  
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by  
the Supreme Court]**

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

8-प्रेज/83—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधि-  
कारी की वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अरुण कुमार,  
पुलिस उप-निरीक्षक,  
थाना बेरिया, पश्चिम चम्पारन,  
बिहार

सेवाओं का विवरण जिनके लिए, पदक प्रदान किया गया ।

4/5 जनवरी, 1982, की रात को 22.00 बजे थाना बेरिया के पुलिस उपनिरीक्षक अरुण कुमार को लूट-अहिरी, रूब मियां और बोमा धोबी तथा उन के अन्य साथियों के एक खतरनाक गिरोह के एकत्र होने के विषय में सूचना मिली । वे राइफलों और रेगुलर गनों से भारी मात्रा में लैस थे और जंगल के तजवीक गांव भातवालियां में डकैती डालने के लिए उदयपुर के जंगल में एकत्र हुए थे । उप निरीक्षक उपलब्ध बल के साथ घटनास्थल की ओर तुरन्त गए । भातवालियां गांव के लोग हमेशा से लच्छन अहिरी गिरोह की गतिविधियों के विरुद्ध रहे थे और उन्होंने गांव में गिरोह के सदस्यों के प्रवेश का प्रतिरोध किया । उन्होंने अपराधियों के बारे में सूचना भेज कर पुलिस की सहायता भी की । भातवालियां गांव पहुंचने पर उप-निरीक्षक ने ग्रामीणों को गतिशील किया, उन्हें संगठित किया और उन्हें उदयपुर वन क्षेत्र की नर्सरी सं० 3 में ले गए । घटनास्थल पर पहुंचने पर प्रभारी अधिकारी ने अपराधियों को आत्म-समर्पण करने के लिए कहा । अपराधियों ने पुलिस दल को मारने की कोशिश में गोली चलानी शुरू कर दी । पुलिस दल को आत्म रक्षा में गोलियां चलानी पड़ी । अपराधियों द्वारा चलाई जा रही गोलियों की बौछार में पुलिस दल रेंगता हुआ आगे बढ़ा । इस मुठभेड़ में कुख्यात डकैत दोमा धोबी मारा गया । गिरोह के अन्य सदस्य शव को छोड़कर घने जंगल में भाग गए ।

इस मुठभेड़ में श्री अरुण कुमार, उप-निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, अनुकरणीय साहस, नेतृत्व और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 5 जनवरी, 1982, से दिया जाएगा ।

सं० 89—प्रेज/83—राष्ट्रपति पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद  
श्री कृपाल सिंह कहलों,  
पुलिस उप-अधीक्षक,  
जालन्धर

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

आततायियों के एक कुख्यात गिरोह को पकड़ने के लिए, जिसने पंजाब राज्य में लोगों में आतंक पैदा कर रखा था, और जो राज्य में विधि व व्यवस्था की स्थिति के लिए एक कांटा बन गया था, जलंधर के पुलिस उप-निरीक्षक कृपाल सिंह कहलों के नेतृत्व तथा कमाण्ड में सेवा रिवाजवर से लैस एक सहायक उप-निरीक्षक, एल०एम०जी० से लैस एक हेड कांस्टेबल और 303 राइफलों से लैस आठ कांस्टेबलों का विशेष बल बनाया गया ।

22 अप्रैल, 1979, को श्री कहलों को पता लगा कि ये सभी आततायी अपराधी जिला अमृतसर के थाना बेरोवाल के गांव फजलपुर के क्षेत्र में बचन सिंह नामक एक व्यक्ति की हवेली में एक साथ ठहरे हुए थे और कोई अपराध करने की तैयारी में थे । यह सूचना मिलने पर पुलिस दल के अन्य सदस्यों के साथ श्री कहलों तुरन्त राया, जिला अमृतसर पहुंचे और वहां नहर के पुल के आसपास जहां से अपराधियों के जाने की आशा थी, घात लगाई । 22/23 अप्रैल, 1979, की रात को आततायी "राजबाहा" पुल की ओर पैदल गये । चूंकि पुलिस दल पहले से सतर्क और चौकस था, अतः उन्होंने अपनी-अपनी आड़ के पीछे मोर्चा संभाला । श्री कहलों ने पुल की उंची सतह पर चार सशस्त्र व्यक्तियों को देखा और उन्हें ललकारा । आततायियों ने तुरन्त पुल के पीछे आड़ ली और पुलिस दल पर गोलियों की बौछार कर दी । श्री कहलों ने पुलिस दल को आत्मरक्षा में गोली चलाने का आदेश दिया । उन्हें पुल की ओर लगभग 50 गज तक कोहनीयों के सहारे रेंग कर जाना पड़ा और एल०एम०जी०

एक उपर्युक्त स्थल पर लगा दी। उसके तुरंत बाद अपराधियों द्वारा चलाई गई एक गोली एल०एम०जी० की मैगजीन को लगी और श्री कहलों की नाक से टकराती निकल गई जिससे वहां गंभीर जख्म हो गया, लेकिन वे एल०एम०जी० का प्रभार संभाल कर बहादुरी के साथ गोली चलाते रहे। पुलिस दल ने अपराधियों के साथ जमकर लड़ाई लड़ी। इस मुठभेड़ में दो अपराधी घटनास्थल पर मारे गये और शेष दो अपराधी अंधेरे की आड़ में बचकर भाग गये।

इस प्रकार जलंधर के पुलिस उप-अधीक्षक श्री कृपाल सिंह कहलों ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 23 अप्रैल, 1979, से दिया जाएगा।

सं० 90—प्रेज/83—राष्ट्रपति केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री छेदी लाल, (मरणोपरान्त)  
प्रधान सुरक्षा गार्ड सं० 7013315,  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट,  
भिलाई इस्पात संयंत्र

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

12/13 जनवरी, 1983 को प्रधान सुरक्षा गार्ड नं० 7013315 छेदी लाल को रक्षाड़ा कस्बा, जिला दुर्ग, मध्य प्रदेश, से चार किलोमीटर दूर मगजीन नं० 2 पर तैनात किया गया था।

2. केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की रक्षाड़ा यूनिट के सहायक उप-निरीक्षक दुला राम, जिनके अधीन मैगजीन पर गार्ड कार्य करता है, ने 13 जनवरी, 83, को 0155 बजे गार्ड की जांच की और संतरी सुरक्षा गार्ड (7517419) बिहारी लाल को ड्यूटी पर सोता हुआ पया। सहायक उप निरीक्षक के साथ एक दूसरा गार्ड एस०आर० मिज था। उन्होंने श्री मिज को गार्ड कमाण्डर, प्रधान सुरक्षा गार्ड छेदी लाल को गार्ड रूम में बुलाने के लिए भेजा और उसे संतरी की कर्तव्य अवहेलन के बारे में बताया। फिर सहायक उप-निरीक्षक ने संतरी को जगाया, ड्यूटी पर सोने के लिए उसे फटकार और उससे कहा कि वे उसके बिरुद्ध रिपोर्ट लिखेंगे।

3. उसके बाद सहायक उप-निरीक्षक सुरक्षा गार्ड मिज के साथ क्वाटर गार्ड से चल पड़े। वे थोड़ी दूर ही गये थे जब संतरी सुरक्षा गार्ड बिहारी लाल अचानक उन्मत्त हो गया और अपनी भरी हुई राइफल लेकर उनके पीछे दौड़ा। प्रधान सुरक्षा गार्ड छेदी लाल ने यह कहते हुए सहायक उप-निरीक्षक को चेतावनी दी कि “साहब मार देगा” और

हालांकि वे निहत्था थे, फिर भी उन्होंने संतरी को पकड़ने और सहायक उप-निरीक्षक पर गोली चलाने से उन्हें रोकने के लिए उसका पीछा किया। अब भी सुरक्षा गार्ड सहायक उप-निरीक्षक पर गोली चला सकता था जिन्हें प्रधान सुरक्षा गार्ड छेदी लाल द्वारा चेतावनी देकर सतर्क कर दिया गया था और वे किसी तरह एक बीहड़ में शरण लेने के लिए कूद गये थे। सहायक उप-निरीक्षक को मारने के अल्प प्रयास में हतोत्साहित, सुरक्षा गार्ड बिहारी लाल ने प्रधान सुरक्षा गार्ड छेदी लाल की ओर अपना आक्रोश बढ़ा और तीन राउंड गोलियां चलाई जो उनकी छाती में प्रधान सुरक्षा गार्ड छेदी लाल गिर पड़े और तत्क्षण पर वीरगति को प्राप्त हो गये।

4. प्रधान सुरक्षा गार्ड छेदी लाल ने इस प्रसाहस और वीरता की उच्चतम परम्पराओं के अनुपालन किया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 13 जनवरी, 1983, से दिया जाएगा।

दिनांक 12 दिसम्बर 1983

सं० 91-प्रेज०/83—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मान सिंह, (मरणोपरान्त)  
कांस्टेबल सं० 512

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

2/3 मार्च, 1982, की रात को श्री मान सिंह कांस्टेबल सं० 512, गांव बतोल में श्री माना चौकीदार के साथ गश्ती ड्यूटी पर थे। उन्होंने बैंक आफ बड़ौदा की स्थानीय शाखा में कुछ असामान्य शोर सुना और देखा कि कुछ अज्ञात व्यक्ति बैंक के बाहर निगरानी रख रहे थे। उन्होंने इन व्यक्तियों को ललकारा और उनमें से दो को पकड़ने की कोशिश की। दुर्भाग्यवश इनमें से एक व्यक्ति ने अपने को उनके शिकजे से छुड़ा लिया और बैंक की इमारत के अन्दर से अपने साथियों को बुलाया। चौकीदार ने श्री मान सिंह के बचाव के लिए आगे बढ़ने की कोशिश की लेकिन अपराधियों द्वारा दी गई धमकियों के कारण वह घटनास्थल से भाग गया और उसने महायत्ना के लिए शोर मचाया। गांव का कोई व्यक्ति कांस्टेबल की सहायता के लिए नहीं आया। अपराधी लाठियों से लैस थे और उन्होंने कांस्टेबल को मार डाला।

2. अपराधियों की संख्या लगभग 7-8 थी और वे बैंक परिसर में घुस गए थे उन्होंने बैंक के सेफ को तोड़ने का प्रयास किया था, जिसमें नकदी थी, लेकिन कांस्टेबल के साहसी कार्य के कारण वे ऐसा नहीं कर सके। बाद में सभी अपराधी पकड़े गए।

3 श्री मान सिंह कांस्टेबल, ने इस प्रकार उत्कृष्ट वीरता साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 मार्च, 1982 से प जाएगा।

92-प्रेज०/83—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित यों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष देते हैं :—

कारियों के नाम तथा पद

निल कुमार पाण्डेय,  
पुलिस अधीक्षक, पटना।

एल० पी० तिवारी,

निरीक्षक, पटना।

श्री राम लखन सिंह,  
पुलिस निरीक्षक, पटना।

श्री राम अनूप सिंह,  
जमादार, पटना।

श्री मुरली पाण्डेय,  
हवलदार, बी० एम० पी०, XIV पटना।

श्री हीरा लाल मिह,  
कांस्टेबल सं० 570,  
डी० पी० एफ०

श्री सत्य नारायण महतो,  
कांस्टेबल सं० 635,  
डी० पी० एफ०

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

1 फरवरी, 1982, को साय लगभग 8:30 बजे अपर पुलिस अधीक्षक यातायात श्री बनवारी सिंह द्वारा एक वायरलेस सन्देश भेजा गया कि पटना मार्किट के निकट एक गम्भीर डकैती डाली जा रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार पाण्डेय को सन्देश प्राप्त हुआ और वे घटनास्थल की तरफ बढ़े। रास्ते में उन्होंने थाना गांधी मैदान से निरीक्षक एल० पी० तिवारी और कुछ अन्य अधिकारियों को लिया। घटनास्थल पर पहुंच कर मालूम हुआ कि अलका ज्यूलर्स की दुकान जिसके शटर बन्द किए हुए थे के चारों ओर आतंक फैला हुआ था। बन्द दुकान से बन्दूक की गोली चलने और शीशे टूटने की आवाज आ रही थी। पुलिस निरीक्षक श्री राम लखन सिंह भी अपने चलते फिरते बल के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पहुंचने के फौरन बाद वहां पहुंच गए।

श्री एल० पी० तिवारी और श्री राम लखन सिंह के साथ श्री पाण्डेय ने चिल्लाकर अपराधियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। अपराधियों ने भी चिल्लाकर पुलिस

दल को वापस जवाब दिया कि वापस चले जाओ अन्यथा उड़ा दिए जाओगे। तब श्री पाण्डेय ने पश्चिमी द्वार तोड़ देने का आदेश दिया। वे दरवाजे में एक मुराख करने में सफल हो गए। आतंताइयों ने पुलिस बल पर गोली चला दी। सौभाग्यवश पुलिस भारी मख्या में हताहत होने से बच गई। श्री पाण्डेय ने जमादार राम अनूप सिंह को अपराधियों पर गोली चलाने का आदेश दिया जिन्होंने दुकान के अन्दर मोर्चा लगा रखा था। दोनों तरफ से कुछ राउन्ड गोलियां चलाई गईं। श्री पाण्डेय ने निर्णय लिया और मुराख में से दुकान में घुस गये। श्री राम लखन सिंह और अन्य भी उनके पीछे दुकान में घुस गए। अपराधी दुकान के अन्दर पुलिस दल के अकस्मात पहुंचने पर कुछ घबरा गए। एक डाकू हवलदार मुरली पाण्डेय के कब्जे से स्टेन गन छीनना चाहता था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने गोली चलाने का आदेश दिया। इस पर हवलदार मुरली पाण्डेय, सिपाही हीरालाल और सिपाही सत्य नारायण महतो ने अपने हथियारों में गोली चलाई। इस बीच एक अन्य डाकू अपनी रिवाल्वर के साथ हवलदार की तरफ मुड़ा। यह देखकर जमादार राम अनूप सिंह ने तुरन्त दो राउन्ड गोली चलाई जो डाकू को लगी और वह गिर पड़ा। इस मुठभेड़ में तीन डाकू मारे गए और एक को जीवित पकड़ लिया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार पाण्डेय, पुलिस निरीक्षक श्री एल० पी० तिवारी, पुलिस निरीक्षक श्री राम लखन सिंह, जमादार राम अनूप सिंह, हवलदार मुरली पाण्डेय, कांस्टेबल हीरालाल सिंह तथा कांस्टेबल सत्य नारायण महतो ने डाकुओं को पकड़ने में उत्कृष्ट वीरता, साहस तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 1 फरवरी, 1982, से दिया जाएगा।

सं० 93-प्रेज०/83—राष्ट्रपति गुजरात पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री शिवदत्त बशीधर, (मरणोपरांत)  
वटालियन नं० 998,  
हैंड कांस्टेबल,  
जिला बनास कांठा।

श्री मिठा सिंह संग्राम सिंह चौहान,  
वटालियन सं० 1178,  
पुलिस कांस्टेबल,  
जिला बनास कांठा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

30 दिसम्बर, 1982, को लगभग 16.00 बजे 303 राईफस और स्वचालित हथियारों से लैस लगभग 7 डकैत, अमीरगढ़ पुलिस स्टेशन के अन्तर्गत इकबाल गढ़ गांव में स्टेट

बैंक आफ इण्डिया में गए। उन्होंने बैंक कर्मचारियों को गंभीर परिणामों की चेतावनी दी, प्रबन्धक सहित कर्मचारियों को पीटा और बैंक के खजाने को खोलने के लिए भजबूर किया और बैंक से 1, 37, 000 रु० की नगदी लूटी। उन्होंने कर्मचारियों की सोने की भंगूठियां और हाथ की बढ़ियां भी लूटी। जब डकैत बैंक में अपराध कर रहे थे तो उनमें से कुछ बैंक के बाहर निगरानी भी रख रहे थे और लोगों को डराने के लिए गोलियां चला रहे थे। उस समय हैड कांस्टेबल शिवदत्त बंशीधर, पुलिस कांस्टेबल मीठा सिंह संग्राम सिंह चौहान और पुलिस कांस्टेबल सुलेमान रायमल भाई इकबालगढ़ में झूटी पर उपस्थित थे। वे तुरन्त बैंक की ओर गए। श्री मीठा सिंह संग्राम सिंह चौहान के पास धारिया था और अन्य दो के पास लाठियां थीं। जैसे ही पुलिस कांस्टेबल मीठा सिंह संग्राम सिंह चौहान और सुलेमान रायमल भाई बैंक के नजदीक पहुंचे एक सशस्त्र डकैत ने, जो बैंक के बाहर निगरानी रख रहा था, एक राउण्ड गोली चलाई जिससे श्री मीठा सिंह, संग्राम सिंह चौहान की दाहिनी जांघ जखमी हो गई। उस समय श्री शिवदत्त बंशीधर उस डकैत की तरफ भागे, जो गोलियां चला रहा था, उसे पकड़ लिया और अन्य दुर्घटना को रोकने के लिए डकैत की राईफल के बैरल को खड़ा कर दिया। यह देखकर एक दूसरा डकैत तुरन्त वहां आया और अपनी राईफल से गोली चलाई जिससे श्री शिवदत्त बंशीधर की बाईं तरफ छाती में घातक चोट आई। उसके बाद डकैत लूटी गई संपत्ति को लेकर भाग गए। जांच-पड़ताल से पता चला कि डकैती राजस्थान के संगठित सशस्त्र डकैतों के एक गिरोह ने डाली थी।

हैड कांस्टेबल शिवदत्त बंशीधर और कांस्टेबल मीठा सिंह संग्राम सिंह चौहान ने इस प्रकार उत्कृष्ट वीरता, साहस और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 30 दिसम्बर, 1982 से दिया जाएगा।

सु० नीलकण्ठन,  
राष्ट्रपति का उप सचिव

#### योजना मंत्रालय

##### सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 नवम्बर 1983

सं० ए०-13016/3/83-समन्वय—इस विभाग के दिनांक 8-8-1983 की अधिसूचना सं० ए०-13016/3/83-समन्वय के पैरा 3 जो वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण के आंकड़ों के सारणीयन प्राथमिकता के पुनरभिव्यक्त सम्बन्धी तकनीकी कार्यकारी दल के गठन से सम्बन्धित है, में आंशित संशोधन करते हुए, विशेषज्ञ कार्यकारी दल अपनी रिपोर्ट 28 फरवरी, 1984 तक प्रस्तुत करेगी। दल के अन्य विचारार्थ पूर्ववत रहेंगे।

थानेश्वर कुमार गुप्ता, उप सचिव

#### गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर, 1983

सं० 13019/6/83-ए० एन० एल०—भारत सरकार के गृह मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित तारीख 2-2-1982 की अधिसूचना संख्या यू०-13019/10/81-ए० एन० एल० के पैरा-2 के खण्ड (ड) के अनुसरण में, जो कि प्रदेश परिषद् के निम्नलिखित दो सदस्यों को, 31 मार्च, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए, संघ शासित क्षेत्र अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह के प्रशासन की गृह मंत्री के साथ सम्बद्ध सलाहकार समिति के सदस्य चुना गया है :—

1 श्री गाडविन सरीन (अण्डमान ग्रुप)

2. श्री हरी सौल (निकोबार ग्रुप)

सं० यू० 13019/6/83-ए० एन० एल०—भारत सरकार के गृह मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित तारीख 2-2-1982 की अधिसूचना संख्या यू० 13019/10/81-ए० एन० एल० के पैरा-2 के खण्ड (ख) के अनुसरण में राष्ट्रपति, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह की श्रीमती शान्ता लछमन सिंह और निकोबार ग्रुप की श्रीमती श्रीमती नाथन को 31 मार्च, 1984 का समाप्त होने वाली अवधि के लिए, संघ शासित क्षेत्र अण्डमान, निकोबार द्वीपसमूह के प्रशासन की गृह मंत्री के साथ सम्बद्ध सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामजद करते हैं।

उमा पिल्लै, निदेशक

#### उद्योग मंत्रालय

##### औद्योगिक विकास विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1983

##### संकल्प

सं० ई-11015/6/83-हि० अ०—इस मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन सम्बन्धी समसंख्यक संकल्प दिनांक 30 सितम्बर, 1983 के क्रम में, भारत सरकार ने श्री आर० के० मालवीय, सदस्य (राज्य सभा), श्री एस० के० बेला-युधन नायर, मंत्री, केरल हिन्दी प्रचार सभा, तिरुवनन्तपुरम तथा डा० वीरेन्द्र कुमार बुबे, प्राध्यापक, गोविन्दराम सकसरिया अर्थ एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर को इस मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित करने का निर्णय किया है।

##### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, प्रधान-मंत्री सचिवालय, लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक तथा औद्योगिक विकास विभाग के वेतन और लेखा कार्यालय को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

प्रमोद चन्द्र रावल, निदेशक

दिनांक 1 विसम्बर 1983

सं. सर-11(21)/83-खण्ड-4 —भारत सरकार के दिनांक 22 सितम्बर 1983 संकल्प सं. सर-11(21)/83-खण्ड 4 में आर्थिक संशोधन करते हुए, श्री सी. डी. आनन्द, अपर आर्थिक सलाहकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली के स्थान पर श्री आर. थंजन, आर्थिक सलाहकार, तकनीकी विकास महानिदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली को अध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय किया गया है।

आदेश :

ऐसा दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्यों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि आम सूचना के लिए संकल्प को भारत के आदेश में प्रकाशित किया जाए।

संबंधित  
है कि ऊपर  
निर्दिष्ट प्रकाशित

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर, 1983

संकल्प

सं. 39-19/83-एल० डी० टी०—भारत सरकार ने देश में विभिन्न पशु और भैंस विकास कार्यक्रमों में प्रयोग—लिए बढ़िया नस्लों और प्रमाणित सांडों के प्रजनन और आपूर्ति के लिए सात केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म स्थापित किए थे। एक दशक से भी अधिक समय पूर्व ये फार्म स्थापित किए गए थे, तथा पिछले वर्षों में किसी भी विशेषज्ञ समिति ने इन फार्मों के कार्यकलापों और इनके उद्देश्यों की पूर्ति की संवीक्षा नहीं की। अतः एक विशेषज्ञ समिति को नियुक्त किए जाने का निर्णय लिया गया है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. डा० पी० भट्टाचार्य,  
भूतपूर्व पशुपालन आयुक्त और  
सदस्य, राष्ट्रीय कृषि आयोग,  
डी०-5/14, वसंत विहार  
नई दिल्ली । —अध्यक्ष
2. डा० बी० के० तनेजा,  
परियोजना समन्वयक (पशु प्रजनन)  
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान,  
इज्जतनगर, बरेली (उ० प्र०) —सदस्य
3. डा० पी० एन० भट्ट,  
निदेशक,  
केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान,  
मखदम-फरराह (उ० प्र०) —सदस्य
4. डा० जे० एम० लाल,  
वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशुधन स्वास्थ्य),  
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्,  
नई दिल्ली-110001 —सदस्य
5. डा० पी० एस० तोमर,  
वरिष्ठ वैज्ञानिक (एस०-3),  
राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान,  
करनाल (हरियाणा)
6. संयुक्त आयुक्त (सी० बी० एफ०),  
कृषि और सहकारिता विभाग,  
कृषि मंत्रालय,  
नई दिल्ली-110001

2. समिति (1) विभिन्न केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्मों के उद्देश्यों की तुलना में उनकी प्रगति की संवीक्षा करेगी; (2) केन्द्रीय फार्मों पर पशु बृन्द की उत्पादकता की अन्य फार्मों पर प्रजनित पशुबृन्दों की तुलना में संवीक्षा करेगी तथा केन्द्रीय फार्मों पर पशुबृन्दों के कार्य-निष्पादन में सुधार लाने के सम्बन्ध में हुई प्रगति की संवीक्षा करेगी और इन फार्मों की कार्य प्रणाली में सुधार लाने के लिए साधनोपायों के सम्बन्ध में सुझाव देगी; (3) देश में पशु तथा भैंस विकास के कार्यक्रमों के संदर्भ में, यदि आवश्यक हो तो, फार्मों के तकनीकी कार्यक्रम तथा कार्यप्रणाली में किसी भी परिवर्तन के सम्बन्ध में सुझाव देगी; और (4) मुख्यालयों से पर्यवेक्षण, निरीक्षण तथा मार्गदर्शन किए जाने के साधनों के सम्बन्ध में सुझाव देगी तथा प्रबन्ध आसूचना प्रणाली का विकास करेगी, जिसमें लेखा-परीक्षा के निष्पादन की व्यवस्था हो और पुरस्कारों तथा दण्डों की भी व्यवस्था हो।

3. समिति यथासंभव समय-समय पर अपनी बैठकें करेगी तथा इसके गठन की तारीख से 6 माह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों तथा भारत सरकार के मंत्रालयों के सभी विभागों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय, लोक सभा सचिवालय तथा राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

पी० एस० कोहली, अपर सचिव

रेल मंत्रालय

रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली, दिनांक : 17 नवम्बर, 1983

संकल्प

सं० ई० आर० बी० 1/81/21/41—कृपया इस मंत्रालय का 22-10-1982 का समसंख्यक संकल्प देखें, जिसके अनुसार श्री एम० सत्यपाल, तत्कालीन सचिव (तकनीकी विकास) तथा महानिदेशक, तकनीकी विकास, उद्योग मंत्रालय, को रेल सुधार समिति के सरकारी सदस्य के रूप में अंशकालिक आधार पर नियुक्त किया गया था।

भारत सरकार ने यह विनिश्चय किया है कि श्री एम० सत्यपाल को, उनकी अधिवर्षिता की आयु के बाद, रेल सुधार समिति के गैर-सरकारी सदस्य के रूप में बना रहने दिया जाये।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ए० जीहरी, सचिव, रेलवे बोर्ड  
एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 8th December 1983

No. 88-Pres/83.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

Name and rank of the officer

Shri Arun Kumar,

Sub-Inspector of Police,

P. S. Bairia, West Champaran,  
Bihar.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the night of 4th/5th January, 1982, at 22.00 hrs., Sub-Inspector Arun Kumar, P. S. Bairia, got information about the assembly of a gang of dreaded dacoits, Lachhan Ahir, Rub Main and Doma Dhobi alongwith other members. They were heavily armed with rifles and regular guns and had gathered in Udaipur Jungle for committing dacoity in Village Bhatwalia, close to the jungle. The Sub-Inspector rushed to the spot with the available force. The people of the Bhatwalia village had always opposed the activities of Lachhan Ahir's gang and resisted the entry of the gang members in the village. They also helped the police by sending information about the criminals. On reaching the village Bhatwalia the Sub-Inspector mobilized the villagers, organised them and took them to Nursery No. 3 of Udaipur Forest area. On reaching the spot the officer-in-charge shouted at the criminals to surrender. The criminals started firing in a bid to kill the police party. The police party had to open fire in self defence. The police party moved forward crawling through the showers of bullets from the side of the criminals. During this encounter one notorious dacoit Doma Dhobi was killed. The other members of the gang escaped into the deep jungle leaving behind the dead body.

In this encounter Shri Arun Kumar, Sub-Inspector, exhibited conspicuous gallantry, exemplary courage, leadership and devotion to duty.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 5th January, 1982.

No. 89-Pres/83.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Punjab Police :—

Name and rank of the officer

Shri Kirpal Singh Kahlon,  
Deputy Superintendent of Police,  
Jullundur.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

In order to round up a notorious gang of desperadoes, who had created panic in the public and had become a nuisance to the Law and Order situation in the Punjab State, a special staff comprising one Asst. Sub-Inspector armed with service revolver, one Head Constable armed with L.M.G. and eight Constables armed with .303 rifles was constituted under the leadership and Command of Shri Kirpal Singh Kahlon, Deputy Superintendent of Police Jullundur.

On 22-4-1979, Shri Kahlon came to know that all these desperate criminals were staying together in the "HAVELI" of one Shri Bachan Singh in the area of village Fazalpur, Police Station Verawal District Amritsar, and were getting ready to commit a crime. On receipt of this information, Shri Kahlon, alongwith other members of Police Party, made a dash to Ravva, District Amritsar, laid an ambush around a Canal Bridge from where the criminals were expected to move. On the night intervening 22nd/23rd April, 1979, the desperadoes moved towards the "Rajbaba" bridge on foot. Since the police party was already alert and fully vigilant, they took up positions behind their respective covers. Shri Kahlon spotted four armed persons on the elevated surface of the bridge and challenged them. The desperadoes immediately took cover behind the bridge and fired a volley of shots at the police party. Shri Kahlon

ordered the police party to open fire in self defence. He had to crawl on his elbow for about 50 yards towards the bridge and mounted the LMG at a suitable point. Immediately thereafter, a bullet fired by the criminals hit the magazine of the L.M.G. and slipped by the nose of Shri Kahlon causing a serious injury there but he bravely continued firing by holding the charge of L.M.G. A pitched battle was fought by the police party with the criminals. In this encounter two criminals were killed on the spot and the remaining two managed to escape under the cover of darkness.

Shri Kirpal Singh Kahlon, Dy Supdt. of Police, Jullundur thus exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from 23rd April, 1979.

No. 90-Pres/83.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Central Industrial Security Force :—

Name and rank of the officer

Shri Chhedi Lal, (Po)  
Head Security Guard No. 7013315,  
Central Industrial Security Force Unit,  
Bhilai Steel Plant.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 12th/13th January, 1983, Head Security Guard No. 7013315 Chhedi Lal was deployed at Magazine No. 2, four kilometres from Raihara town, Durg District, Madhya Pradesh.

ASI Dula Ram of the CISF Unit Raihara, under whom the guard at the magazine functions, checked the guard at 0155 hrs. on January 13 and found the sentry Security Guard (7517419) Behari Lal asleep on duty. The ASI was accompanied by another Security Guard S. R. Mini. He sent him to call the guard commander. HSG Chhedi Lal from guard room, and pointed out to him the negligence of the sentry. The ASI then woke the sentry, reprimanded him for falling asleep on duty, and told him that he would enter a report against him.

The ASI then left the quarter guard with Security Guard Mini and started walking away. He had proceeded only a short distance when the sentry Security Guard Behari Lal suddenly went berserk, and ran after him with his loaded rifle. HSG Chhedi Lal shouted a warning to the ASI saying, "Sahib Mar Dega" and even though unarmed prevented him from firing at the ASI. The Security Guard was till able to fire at the ASI who had however been alerted by the warning given by HSG Chhedi Lal and jumped into a small ravine to take shelter. Frustrated in his attempt to kill the ASI, Security Guard Behari Lal turned his fury towards HSG Chhedi Lal, and fired three rounds hitting him in the chest. HSG Chhedi Lal fell down and died instantaneously on the spot.

HSG Chhedi Lal has thus acted in the highest traditions of loyalty, gallantry and valour.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 13th January, 1983.

The 12th December 1983

No. 91-Pres/83.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name and rank of the officer

Shri Man Singh (Posthumous)  
Constable No. 512.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the night of 2nd/3rd March 1982, Shri Man Singh, Constable No. 512, was on patrolling duty alongwith Shri Mana Chowkidar in his beat of village Ghatol. He heard some unusual noise in the local branch of the Bank of Baroda and saw some unknown persons keeping watch outside the



Bank. He challenged these persons and tried to catch hold of two of them. Unfortunately, one of these could free himself from his clutch and called his accomplices from inside the Bank building. The chowkidar tried to come to his rescue but on threats extended by the criminals he ran away from the spot and shouted for help. None of the villagers came forward to the help of the Constable. The criminals who were armed with heavy sticks, battered the Constable to death.

The criminals were about 7-8 in number and had entered to Bank premises. They had attempted to break open the safe of Bank containing cash but could not do so due to the ve act Constable. All the criminals were arrested later on.

i Man Singh, Constable, thus exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

award is made for gallantry under rule 4(i) of the governing the award of the Police Medal and consequently with it the special allowance admissible under rule 5, ect from the 3rd March, 1982.

2-Pres/83.—The President is pleased to award the dal for gallantry to the undermentioned officers of Police :—

*Names and rank of the officers*

Shri Anil Kumar Pandey, SSP, Patna.

Shri L. P. Tewary, Inspector, Patna.

Shri Ram Lakhan Singh, Inspector, Patna.

Shri Ram Anup Singh, Jemadar, Pirbahore, Patna.

Shri Murli Pandey, Havildar, BM. P. XIV, Patna.

Shri Hiralal Singh, Constable No. 570 DPF.

Shri Satya Narain Mahto, Constable No. 635, DPF.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 1st February, 1982, at about 8.30 p.m. a wireless message was flashed by Shri Bauwari Singh, Addl. S.P. Traffic that a serious dacoity was being committed near Patna Market. Shri Anil Kumar Pandey, Sr. Supdt. of Police, caught the message and rushed to the place of occurrence. On his way he picked up Inspector L. P. Tewary and few other officers from P. S. Gandhi Maidan. On reaching the place it transpired that there was panic around the shop of Alka Jewellers whose shutters were down. Reports of gun fire and smashing of glass were coming from the closed shop. Shri Ram Lakhan Singh, Inspector of Police, alongwith his mobile force also reached there soon after the arrival of Senior Supdt. of Police.

Shri Pandey alongwith Shri L. P. Tewary and Ram Lakhan Singh shouted to the criminals to surrender. The criminals shouted back at the police party to withdraw or perish. Shri Pandey then ordered for breaking open the western door. They succeeded in ripping open a man-hole in the door. The desperadoes opened fire at the police party. The Police were lucky to have escaped a major casualty. Shri Pandey ordered Jemadar Ram Anup Singh to fire at the criminals who had taken position inside the shop. A few rounds were exchanged. Shri Pandey took a decision and plunged in the shop through the man-hole. Shri Ram Lakhan Singh and others followed. The criminals became a bit nervous on the sudden arrival of police party inside the shop. One of the dacoits wanted to snatch the Sten-Gun from the possession of Havildar Murli Pandey. The Senior Supdt. of Police ordered firing. At this, Havildar Murli Pandey, Sepoy Hira Lal and Sepoy Satya Narayan Mahto fired from their arms. In the meantime another dacoit turned towards the Havildar with his revolver. Seeing this Jemadar Ram Anup Singh immediately fired two rounds which hit the dacoit and he fell down. In this encounter three dacoits were killed and one was captured alive.

Shri Anil Kumar Pandey, Sr. Supdt. of Police, Shri L. P. Tewary, Inspector of Police, Shri Ram Lakhan Singh, Inspector of Police, Shri Ram Anup Singh, Jemadar, Shri Murli Pandey, Havildar, Shri Hira Lal Singh, Constable and Shri Satya Narain Mahto, Constable, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty in apprehending the dacoits.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rules, with effect from the 1st February, 1982.

No. 93-Pres/83.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Gujarat Police :—

*Names and rank of the officers*

Shri Shivdutt Banshidhar (Posthumous)

B. No. 998, Head Constable,  
Banas Kantha District.

Shri Mithasingh Sangramsingh Chauhan,

B. No. 1178, Police Constable,  
Banas Kantha District.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 30th December, 1982, at about 1600 hours, about seven dacoits armed with .303 rifles and automatic weapons went to the State Bank of India at village Iqbalgadh under Amirgadh Police Station. They threatened the Bank employees with dire consequences, beat the Bank employees, including the Manager and forced them to open treasure-chest of the Bank and looted cash worth Rs. 1,37,000/- from the Bank. They also robbed the employees of their gold ring and wrist watches. When the dacoits were committing the offence in the Bank, some of them were also keeping watch outside the Bank and firing round to frighten the people. At that time Head Constable Shivdutt Banshidhar, Police Constable Mithasingh Sangramsingh Chauhan and Police Constable Suleman Ramalbhai were present on duty at Iqbalgadh. They rushed towards the Bank. Shri Mithasingh Sangramsingh Chauhan was armed with a Dharla and the other two had sticks. No sooner did the police constables Mithasingh Sangramsingh Chauhan and Suleman Ramalbhai reach near the Bank than one of the armed dacoit, who was keeping watch outside the Bank, fired one round causing injury to Shri Mithasingh Sangramsingh Chauhan on his right thigh. At that time Shri Shivdutt Banshidhar rushed towards the dacoit, who was firing rounds, caught hold of him and raised the barrel of dacoit's rifle to prevent further casualty. On seeing this another dacoit rushed there and fired a round from his rifle causing fatal injury to Shri Shivdutt Banshidhar on his left chest. The dacoits thereafter decamped with the looted property. The investigation revealed that the dacoity was committed by an organised armed dacoits gang of Rajasthan.

Head Constable Shivdutt Banshidhar and Constable Mithasingh Sangramsingh Chauhan thus exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 30th December, 1982.

S. NILAKANTAN, Dy. Secy. to the President

#### MINISTRY OF PLANNING (DEPARTMENT OF STATISTICS)

New Delhi-110001, the 26th November 1983

No. A-13016/3/83-Coord.—In partial modification of para 3 of this Department Notification No. A-13016/3/83-Coord., dated the 8-8-1983 regarding setting up of Technical Working Group on re-orientation of tabulation priorities of ASI data published in the Gazette of India Part II Section I, the Expert Working Group will submit its report by February 28, 1984. Other terms of reference to the Group will remain the same.

T. K. GUPTA, Dy. Secy.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 3rd December 1983

No. 13019/6/83-ANL.—In pursuance of clause (e) of paragraph 2 of the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. U. 13019/10/81-ANL, dated 2nd February, 1982, as amended from time to time, the following two members of the Pradesh Council have been elected to be members of the Advisory Committee associated with the Minister of Home Affairs in the Administration of the Union territory of Andaman & Nicobar Islands for the period ending 31st March, 1984.

1. Shri Godwin Surin (Andaman Group).
2. Shri Harysaul (Nicobar Group).

No. U 13019-683-ANL.—In pursuance of clause (f) of paragraph 2 of the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. U. 13019/10/81-ANL. dated 2nd February, 1982 as amended from time to time, the President is pleased to nominate Smt. Shanta Lachman Singh from the Andaman Group and Smt. Oliver Mathan from the Nicobar Group to be members of the Advisory Committee associated with the Minister of Home Affairs in the Administration of the Union Territory of Andaman & Nicobar Islands for the period ending 31st March, 1984.

UMA PILLAI, Director.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

New Delhi, the 28th November 1983

#### RESOLUTION

No. E-11015/6/83-HS.—In continuation of this Ministry's Resolution of even number dated the 30th September, 1983 relating to reconstruction of the Hindi Advisory Committee of this Ministry, Government of India has decided to nominate Shri R. K. Malviya, Member (Rajya Sabha), Shri S. K. Vellayudhan Nayar, Secretary, Kerala Hindi Prachar Sabha, Tiruvananthapuram, and Dr. Virendra Kumar Dubey, Lecturer, Govindram Saksaria Arth and Vaniya Mahavidyalaya, Jabalpur, on Hindi Sahakar Samiti of this Ministry.

#### ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Committee, all the Ministries/Department of the Government of India, Prime Minister's Secy., Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and Pay and Account Office of the Department of Industrial Development.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. C. RAWAL, Director

#### (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 1st December 1983

#### RESOLUTION

No. Cer. 11(21)/83-Vol.IV.—In partial modification of Government of India Resolution No. Cer. 11(21)/83-Vol. IV dated 22nd September, 1983, it has been decided to appoint Shri R. Thanjan Industrial Adviser Directorate General of Technical Development, Udyog Bhavan, New Delhi as Chairman in place of Shri C. D. Anand Additional Industrial Adviser, Udyog Bhavan, New Delhi.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. D. CHATURVEDI, Director (Admn.).

#### MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)

New Delhi, the 29th November 1983

#### RESOLUTION

No. 39-19/83-LDT.—The Government of India had set up seven Central Cattle Breeding Farms to produce and supply pedigreed and proven bulls for use in various cattle and buffalo development programmes in the country. These Farms were set up over a decade ago and their functioning as well as fulfilment of objectives had not been reviewed by any expert committee in the past. It has, therefore, been decided to appoint an Expert Committee with the following members :—

#### Chairman

1. Dr. P. Bhattacharya,  
Ex-Animal Husbandry Commissioner  
and Member, N.C.A.,  
D-5/14, Vasant Vihar,  
New Delhi-110057.

#### Members

2. Dr. V. K. Taneja,  
Project Co-ordinator (Cattle Breeding),  
Indian Veterinary Research Institute,  
Izatnagar-Bareilly (U.P.).
3. Dr. P. N. Bhat,  
Director,  
Central Goat Research Institute,  
Makhdoon Fairah (U.P.).
4. Dr. J. M. Lal,  
Senior Scientist (Livestock Health),  
Indian Council of Agricultural Research,  
New Delhi-110001.
5. Dr. P. S. Tomar,  
Senior Scientist (S-3),  
National Dairy Research Institute,  
Karnal (Haryana).

#### Member-Secretary

6. Joint Commissioner (CBF),  
Department of Agriculture & Coopn.,  
Ministry of Agriculture,  
New Delhi-110001.

2. The Committee will (i) review the progress of various Central Cattle Breeding Farms vis-a-vis their objectives; (ii) review the productivity of the herds at the Central Farms vis-a-vis herds of those breeds at other farms, and progress made in improving the performance of the herds at Central Farms, and to suggest ways and means to improve the working of these farms; (iii) suggest any change in technical programme and working of the farms, if needed in the context of cattle and buffalo development programmes in the country and (iv) suggest mode of supervision, inspections and guidance from the headquarters and develop a Management Information System with built in provision of performance audit coupled with rewards and punishments

3. The Committee may meet as often as possible and will submit its report in six months from the date of its constitution.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and the Departments of the Ministries of Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Pradhan Mantri Sachivalaya, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. S. KOHLI, Addl. Secy.

#### MINISTRY OF RAILWAYS

#### (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 17th November 1983

#### RESOLUTION

No. FRBI/81/21/41.—Reference this Ministry's Resolution of even number dated 22-10-1982 appointing Shri M. Satyapal, the then Secretary (Technical Development) and Director General, Technical Development, Ministry of Industry, as an Official Member of the Railway Reforms Committee on part-time basis.

The Government of India have decided that Shri M. Satyapal should continue as non-official member of the Railway Reforms Committee from 1-9-1983 after his superannuation

#### ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information

A. JOHRI Secy. Railway Board &  
ex-officio Jt. Secy.